

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION**

LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO.2514
TO BE ANSWERED ON 14.12.2015

Promotion of Language

2514. SHRI DHANANJAY MAHADIK:
SHRIMATI SUPRIYA SULE:
SHRI KESHAV PRASAD MAURYA:
SHRI OM PRAKASH YADAV:
SHRI JANARDAN SINGH SIGRIWAL:
SHRI RAHUL SHEWALE:
SHRIMATI SANTOSH AHLAWAT:
DR. HEENA VIJAYKUMAR GAVIT:
SHRI B. VINOD KUMAR:
SHRI MOHITE PATIL VIJAYSINH SHANKARRAO:
SHRI T. RADHAKRISHNAN:
DR. J. JAYAVARDHAN:
SHRI SATAV RAJEEV:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

- (a) whether the Government has constituted expert panel to deliberate on issues related to Sanskrit as a part of its attempt to promote the language in the country;
- (b) if so, the details thereof along with the composition of the panel;
- (c) the time by which the panel is expected to submit its report to the Government;
- (d) whether the Government had earlier set up a panel for promotion of classical languages;
- (e) if so, the details thereof along with the recommendation given by the panel;
- (f) the action taken by the Government on the recommendation; and
- (g) the steps taken/being taken by the Government to develop Sanskrit language in future in the country?

**ANSWER
MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(SMT. SMRITI ZUBIN IRANI)**

- (a) Yes, Madam.

- (b) This Ministry has constituted a Committee on 18.11.2015 under the chairmanship of Chancellor, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, to suggest a long term vision and roadmap for next few years for the development of Sanskrit. The composition and the Terms of Reference of the Committee is at Annexure-I.
- (c) The Committee is expected to submit its report within three months from the day of its constitution.
- (d),(e)&(f) Yes, Madam. In 1956, the first Sanskrit Commission was set up. Rashtriya Sanskrit Sansthan was established on 15th October, 1970 as Nodal Agency for the effective implementation of various recommendation made by the First Sanskrit Commission. The Second Sanskrit Commission was set up on 10th January 2014. This Commission was asked to submit its recommendation within one year but it could not submit its report within that period and the Commission's term expired on 9.1.2015.
- (g) The Government has constituted the Committee as stated at part (b) of the reply above, for the development of Sanskrit language.

STATEMENT REFFRERED TO IN REPLY TO PART (b) OF THE LOK SABHA UNSTARRED QUESTION NO. 2514 FOR 14.12.2015 REGARDING PROMOTION OF LANGUAGE ASKED BY SHRI DHANANJAY MAHADIK, SHRIMATI SUPRIYA SULE, SHRI KESHAV PRASAD MAURYA, SHRI OM PRAKASH YADAV, SHRI JANARDAN SINGH SIGRIWAL, SHRI RAHUL SHEWALE, SHRIMATI SANTOSH AHLAWAT, DR. HEENA VIJAYKUMAR GAVIT, SHRI B. VINOD KUMAR, SHRI MOHITE PATIL VIJAYSINH SHANKARRAO, SHRI T. RADHAKRISHNAN, DR. J. JAYAVARDHAN AND SHRI SATAV RAJEEV.

Composition of the Committee :

i)	Sh. N. Gopalaswami, Chancellor, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati	Chairman
ii)	Prof. V. Kutubma Shastri, Former Vice Chancellor and President, International Association of Sanskrit Studies	Member
iii)	Dr. Ramadorai, Chairman, National Skill Development Corporation	Member
iv)	Dr. Bibek Debroy, Economist, Member, National Institution for Transforming India Aayog	Member
v)	Sh. V.V.Bhat, Indian Administrative Service (Retired) Former Secretary to Government of India	Member
vi)	Dr. H.R. Nagendra, Vice Chancellor , Swami Vivekananda Yoga Anusandhana Samsthana, Chairman of Task Force for Ayurveda, Yoga and Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy	Member
vii)	Prof. Ved Prakash, Chairman, University Grants Commission	Member
viii)	Dr. Anil Sahasrabuddhe, Chairman, All India Council for Technical Education	Member
ix)	Vice Chancellor, Rashtriya Sanskrit Sansthan	Member
x)	Sh. Chamu Krishna Shastry, Senior Consultant Languages	Member
xi)	Prof. R. Devanathan, Former Vice Chancellor, Jagadguru Ramanandacharya Rajasthan Sanskrit University, Rajasthan & Principal, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Jammu Campus	Member
xii)	Prof. Srinivas Varkhedi, Karnataka Sanskrit University	Member
xiii)	Prof. Ramesh Bharadwa, Head of Department, Delhi University	Member

Terms of Reference of the Committee

- i) To assess and review the present schemes for the development of Sanskrit and Veda Vidya.
- ii) To Study and suggest ways and means to bring qualitative change in Sanskrit Education both in School Education and Higher Education.
- iii) To suggest vision and an action plan for the development of Sanskrit in next 10 years.
- iv) To suggest measures to integrate Sanskrit studies with other disciplines like Physics, Chemistry, Mathematics, Medical Science & Law etc.
- v) To suggest ways and means to use new methods of imparting Sanskrit education with the help of Modern tools.

भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2514
उत्तर देने की तारीख: 14.12.2015

भाषा को बढ़ावा देना

2514. श्री धनंजय महाडीक:

श्रीमती सुप्रिया सुले:

श्री केशव प्रसाद मौर्य:

श्री ओम प्रकाश यादव:

श्री जनार्दन सिंह सींगीवाल:

श्री राहुल शेवाले:

श्रीमती संतोष अहलावत:

डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:

श्री बी. विनोद कुमार:

श्री मोहिते पाटिल विजयसिंह शंकरराव:

श्री टी. राधाकृष्णन:

डॉ. जे. जयवर्धन:

श्री राजीव सातव:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने देश में भाषा को बढ़ावा देने के अपने प्रयास में संस्कृत से संबंधित मामलों पर ध्यान देने हेतु विशेषज्ञ पैनल का गठन किया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पैनल की संरचना क्या है;
- (ग) पैनल द्वारा सरकार को कब तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की संभावना है;
- (घ) क्या सरकार ने पूर्व में प्राचीन भाषाओं को बढ़ावा देने हेतु एक पैनल की स्थापना की थी;
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त पैनल द्वारा क्या सिफारिशें की गई हैं;
- (च) उन सिफारिशों पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाई की गई है; और
- (छ) सरकार द्वारा भविष्य में देश में संस्कृत भाषा के विकास के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क): जी, हां।

(ख): इस मंत्रालय ने संस्कृत के विकास के लिए दीर्घकालिक विजन और रोड-मैप पर सुझाव देने के लिए कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की अध्यक्षता में दिनांक 18.11.2015 को समिति का गठन किया है। समिति का गठन और इसके विचारार्थ विषय **अनुबंध-1** में दिए गए हैं।

(ग): समिति को गठन की तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

(घ) से (च): जी, हां। वर्ष 1956 में प्रथम संस्कृत आयोग की स्थापना की गई थी। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना नोडल एजेंसी के रूप में 15 अक्टूबर, 1970 को की गई थी ताकि प्रथम संस्कृत आयोग द्वारा की गई विभिन्न सिफारिशों का कार्यान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा सके। द्वितीय संस्कृत आयोग की स्थापना 10 जनवरी, 2014 को की गई थी। आयोग से अपनी सिफारिशें एक वर्ष की अवधि के भीतर प्रस्तुत करने को कहा गया था परंतु यह उस समयावधि में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर सका और इसका कार्यकाल 09.01.2015 को समाप्त हो गया।

(छ): सरकार ने उत्तर के भाग (ख) में यथा उल्लिखित समिति का गठन किया है ताकि संस्कृत भाषा का विकास किया जा सके।

भाषा को बढ़ावा देने के संबंध में श्री धनंजय महाडीक, श्रीमती सुप्रिया सुले, श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री ओम प्रकाश यादव, श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, श्री राहुल शेवाले, श्रीमती संतोष अहलावत, डॉ. हिना विजयकुमार गावीत, श्री बी. विनोद कुमार, श्री मोहिते पाटिल विजयसिंह, शंकरराव, श्री टी. राधाकृष्णन, डॉ. जे. जयवर्धन, श्री राजीव सातव और श्री राजीव सावत द्वारा दिनांक 14.12.2015 को लोक सभा में पूछे जाने वाले प्रश्न संख्या 2514 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

समिति का गठन:

i.	श्री एन. गोपालस्वामी, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति	अध्यक्ष
ii.	प्रो. वी. कुटुम्बा शास्त्री, पूर्व कुलपति और अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन संघ	सदस्य
iii.	डॉ. रामादुरई, अध्यक्ष, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम	सदस्य
iv.	डॉ. विवेक देवराय, अर्थशास्त्री, सदस्य, राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था आयोग	सदस्य
v.	श्री वी.वी. भट्ट, भारतीय प्रशासनिक सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, भारत सरकार	सदस्य
vi.	डॉ. एच.आर. नगेन्द्र, कुलपति, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, अध्यक्ष, आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी कार्यबल	सदस्य
vii.	प्रो. वेद प्रकाश, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	सदस्य
viii.	डॉ. अनिल सहस्त्रबुद्धि, अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद	सदस्य
ix.	कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान	सदस्य
x.	श्रीचमु कृष्णा शास्त्री, वरिष्ठ भाषा परामर्शक	सदस्य
xi.	प्रो. आर. देवनाथन, पूर्व कुलपति, जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, राजस्थान और प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर	सदस्य
xii.	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय	सदस्य
xiii.	प्रो. रमेश भारद्वाज, विभागाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य

समिति के विचारार्थ विषय:

- संस्कृत और वेद विद्या के विकास के लिए मौजूदा योजना का मूल्यांकन और समीक्षा।
- स्कूल शिक्षा और उच्चतर शिक्षा दोनों में संस्कृत शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन लाने के उपाय और साधनों का अध्ययन और सुझाव देना।
- अगले 10 वर्षों में संस्कृत के विकास के लिए विज्ञान और कार्य योजना के लिए सुझाव देना।
- अन्य विषयों जैसे भौतिकी, रसायन-विज्ञान, गणित, चिकित्सा विज्ञान और कानून आदि के साथ संस्कृत अध्ययन को जोड़ने के संबंध में उपाय सुझाना।
- आधुनिक साधनों की सहायता से संस्कृत शिक्षा देने के नए तरीकों के प्रयोग संबंधी साधन और उपाय सुझाना।

